भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 2631
दिनांक 16 दिसंबर, 2025 के लिए प्रश्न

राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन

2631. श्री देवेश शाक्यः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश में पशुधन और संबंधित सेवाओं का डिजिटल डेटाबेस बनाने के लिए राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन (एनडीएलएम) आरम्भ किया है;

(ख) यदि हाँ, तो इस मिशन के प्रमुख उद्देश्य क्या हैं और वर्तमान में इसके अंतर्गत कितनी प्रगति हुई है;

(ग) क्या उक्त मिशन सभी राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों, विशेषकर उत्तर प्रदेश के एटा, कासगंज, इटावा, औरैया, मैनपुरी, कन्नौज और आंवला (बरेली) जिलों, में कार्यान्वित किया गया है;

(घ) एनडीएलएम के अंतर्गत अब तक पंजीकृत पशुधन की संख्या कितनी है;

(ङ) सरकार द्वारा छोटे डेयरी उत्पादकों और पशुपालकों को शामिल करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(च) क्या सरकार का इस मिशन को ई-गोपाला, राष्ट्रीय गोकुल मिशन और राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम जैसी योजनाओं के साथ एकीकृत करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (च) पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार ने देशभर में पशुधन और उससे संबंधित सेवाओं का डिजिटल डेटाबेस तैयार करने के लिए राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन (NDLM) की शुरुआत की है। NDLM का मुख्य उद्देश्य उत्पादकता और नस्ल सुधार को बढ़ावा देना, रोगों की निगरानी और नियंत्रण को सुदृढ़ करना, पशुधन स्वामियों को संबंधित जानकारी और पशुधन उत्पादों का पता लगाने (ट्रेसेबिलिटी) में सक्षम बनाने वाली प्रणाली का निर्माण करना है। यह प्रणाली उत्तर प्रदेश के एटा, कासगंज, इटावा, औरैया, मैनपुरी, कन्नौज और आंवला (बरेली) जिलों सहित सभी राज्यों में सफलतापूर्वक कार्यान्वित की गई है। सभी पशुधन स्वामी और उनके पशु पहले से ही NDLM प्रणाली का हिस्सा हैं। आज की तारीख तक, NDLM में 35.96 करोड़ पशु आधार जारी और पंजीकृत किए गए हैं। NDLM की कार्य प्रणाली से संबंधित विस्तृत विवरण **अनुबंध I** में दिया गया है।

*****

अनुबंध-I

'राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन' के संबंध में श्री देवेश शाक्य द्वारा पूछा गया दिनांक 16.12.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2631 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन (NDLM) की कार्यप्रणाली से संबंधित विस्तृत विवरण

पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार ने देशभर में पशुधन और उससे संबंधित सेवाओं का डिजिटल डेटाबेस तैयार करने के लिए राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन (NDLM) की शुरुआत की है। भारत में अधिकांश पशुधन छोटे और सीमांत किसानों के पास हैं, जो अलग-अलग गांवों में बिखरे हुए हैं, जिस कारण भारत में बाजार तंत्र और सेवा प्रदायगी तंत्र को लक्षित करना अधिक चुनौतीपूर्ण है। इसलिए, इस क्षेत्र की क्षमता का पूरी तरह से इस्तेमाल करने तथा क्षेत्र के लिए स्कीमों और कार्यक्रमों की योजना बनाने में सहायता करने हेतु, पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD) ने **"भारत पशुधन"** नामक परियोजना के तहत प्रौद्योगिकी समर्थित किसान केंद्रित डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार किया है।

2. **"भारत पशुधन"** नामक मोबाइल एप्लीकेशन और वेब इंटरफेस बनाया गया है। यह एंड्रॉयड आधारित एप्लीकेशन है, जो फील्ड वर्कर द्वारा फील्ड क्रियाकलापों को रिकॉर्ड करने के लिए गूगल प्लेस्टोर पर उपलब्ध है। भारत पशुधन में सभी पशुओं को 12 अंकों के बार कोड वाले ईयर टैग के रूप में एक विशिष्ट आईडी दी जा रही है। इस टैग आईडी को प्राथमिक कुंजी (primary key) के तौर पर इस्तेमाल करके फील्ड वर्कर प्रत्येक पशु के संबंध में फील्ड से जानकारी रिकॉर्ड कर सकते हैं, जैसे पशु पंजीकरण, कृत्रिम गर्भाधान तथा सभी प्रजनन क्रियाकलाप, स्वामित्व में बदलाव, टीकारण, ई-पर्ची, राशन संतुलन, बीमारी की रिपोर्टिंग, दूध की रिकॉर्डिंगआदि। यह प्रणाली उत्तर प्रदेश के सभी जिलों सहित सभी राज्यों में सफलतापूर्वक कार्यान्वित की जा चुकी है।

3. आज की तारीख तक भारत पशुधन के मुख्य आंकड़े:

- पंजीकृत पशुधन स्वामी 9.5 करोड़
- पंजीकृत पशु आधार 35.96 करोड़
- फील्ड वर्करों को जारी किए गए यूजर आईडी 4 लाख
- प्रणाली में दर्ज किए गए टीकाकरण रिकॉर्ड 146.6 करोड़
- भारत पशुधन में उपलब्ध सभी तरह के लेन-देन रिकॉर्ड 250 करोड़

4. NDLM के निम्नलिखित प्रमुख उद्देश्य हैं:

(i) नस्ल सुधार: एकीकृत प्रणाली से भारत की विभिन्न कृषि जलवायु परिस्थितियों के लिए उचित तथा सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता के जर्मप्लाज्म प्राप्त करने हेतु प्रजनन क्रियाकलाप तैयार/प्रबंधित करना संभव होगा।

(ii) रोगों की निगरानी और नियंत्रण: पशु रोगों की स्थिति के निरीक्षण के लिए, एकीकृत रोग निगरानी और नियंत्रण प्रणाली को इस परियोजना का हिस्सा बनाया गया है जो पशुओं को होने वाले प्रमुख रोगों की रोकथाम कर सकती है, उनका अनुमान लगा सकती है, उन पर प्रतिक्रिया दे सकती है तथा उनका उपचार कर सकती है।

(iii) उत्पाद ट्रेसेबिलिटी: टैग-आईडी, भौगोलिक स्थान और प्रसंस्करण सुविधाओं को एकीकृत करके, NDLM के भाग के रूप में पशुधन उत्पादों के लिए पूर्ण तथा सुरक्षित ट्रेसेबिलिटी सिस्टम बनाया जा रहा है जिसमें सभी हितधारकों को भी शामिल किया गया है। ट्रेसेबिलिटी संबंधी पहलू उत्पादों की ब्रांडिंग करने, नए बाजारों का पता लगाने का अवसर देगा।

(iv) **किसान केंद्रित पारिस्थितिकी तंत्र:** इसका मुख्य उद्देश्य किसानों को सरकारी सुविधाओं, योजनाओं का पूरा इस्तेमाल करने और पशुओं के लिए आवश्यक सेवाओं का लाभ उठाने के लिए सभी प्रकार की जानकारी देकर उन्हें सशक्त बनाना है।

(v) **ओपन सोर्स आर्किटेक्चर और API समर्थित वातावरण**: यह डेटाबेस ओपन सोर्स आर्किटेक्चर पर बनाया गया है ताकि इसे किसी भी प्रणाली के साथ एकीकृत किया जा सके। पूरे क्षेत्र में आसानी से जानकारी का आदान-प्रदान करने के लिए वित्तीय संस्थाओं, बीमा क्षेत्र, निजी पेशेवरों और इस क्षेत्र में कार्यरत अन्य संगठनों जैसे सभी हितधारक समूहों को इस प्रणाली के साथ एकीकृत किया जा सकता है।

5. इसके अलावा, भारत पशुधन पहल का एक उद्देश्य किसानों को उनके पशुओं, योजनाओं और पशुधन क्षेत्र में उनके लिए उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी देकर सशक्त बनाना है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए 1962 – पशुधन स्वामी ऐप बनाया गया है। यह ऐप पशुधन स्वामियों को उनके पंजीकृत पशुओं के बारे में जानकारी देने के लिए NDLM डेटाबेस से जोड़ा गया है और पशुधन स्वामियों के लिए उपलब्ध मंत्रालय की योजनाओं/कार्यक्रमों के बारे में नवीनतम जानकारी देने हेतु यह DAHD की वेबसाइट से भी जुड़ा है।

6. राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM), एनएडीसीपी आदि जैसे कार्यक्रम अभी इस प्लेटफॉर्म पर काम कर रहे हैं और NDLM का ही भाग हैं। NDLM पहल के तहत ई-गोपाला पशुधन स्वामी एप्लीकेशन को 1962 पशुधन स्वामी एप्लीकेशन से बदल दिया गया है।

*****